Amar Ujala Dt: 02/11/2026

शिक्षा बोर्ड सख्त, एसओएस परीक्षाओं की सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर अब सीसीटीवी कैमरों से सख्त निगरानी रखेगा। एसओएस परीक्षाओं में सामने आई गड़बड़ियों के बाद बोर्ड ने नकल रोकने और व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए यह कड़ा फैसला लिया है।

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में 27 अक्तूबर को बोर्ड कार्यालय में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में परीक्षा समन्वयकों, उप-अधीक्षकों और केंद्र अधीक्षकों ने परीक्षा संचालन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की।

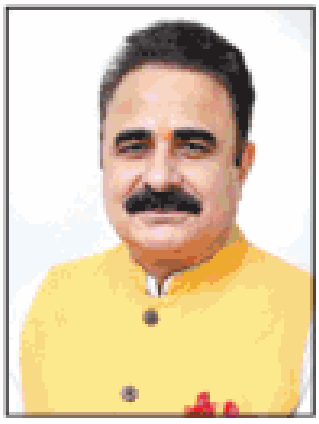
इस दौरान यूएमसी मामलों और कैमरों की कार्यप्रणाली पर अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की गई। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि परीक्षा सुधार के लिए केवल यूएमसी दर्ज करना पर्याप्त नहीं है। नकल रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों पर समय रहते प्रभावी निवारक कदम उठाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों में तय मानकों के अनुसार सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने के निर्देश दिए। कैमरों की सुचारु कार्यप्रणाली और प्रभावी निगरानी के लिए इनकी नियमित तकनीकी जांच सुनिश्चित की जाएगी। परीक्षा स्टाफ को अपने कर्तव्यों का पूरी सतर्कता और अनुशासन के साथ निर्वहन करना होगा। ब्यूरो

पंजाब केसरी
MON,02 NOVEMBER 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

नकल के मामले दर्ज करना पर्याप्त नहीं बल्कि प्रभावी निवारक उपाय अपनाना जरूरी: डॉ. राजेश

धर्मशाला, 1 नवम्बर (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षा संचालन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।



इस बैठक में समन्वयकों, उप-अधीक्षकों और केंद्र अधीक्षकों ने भाग लिया, जिसमें सितम्बर 2026 में आयोजित राज्य मुक्त विद्यालय की परीक्षाओं के दौरान सामने आई अनियमितताओं एवं नकल के मामलों की समीक्षा की गई तथा भविष्य की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक के दौरान परीक्षा केंद्रों में सी.सी.टी.वी. कैमरों की कार्यप्रणाली, निगरानी व्यवस्था और अनुचित साधनों के प्रयोग के मामलों का जायजा लिया गया।

डॉ. राजेश शर्मा ने परीक्षा केंद्रों में मानकों के अनुरूप सी.सी.टी.वी. कैमरों की उचित स्थापना व प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने पर बल देते हुए परीक्षार्थियों की सख्त जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल नकल के मामले दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी निवारक उपाय अपनाना भी जरूरी है।

बोर्ड अध्यक्ष ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता से अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा बोर्ड के दिशा-निर्देशों की कड़ाई से अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि परीक्षाएं पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय तरीके से संपन्न हो सकें।

दिव्य हिमाचल
E-Paper
देवभूमि का सर्वाधिक लोकप्रिय मीडिया

परीक्षा केंद्रों में नकल रोकने को सख्त करें निगरानी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में बोर्ड कार्यालय में परीक्षा संचालन व्यवस्था की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की गई। इसमें सितंबर, 2026 में आयोजित हिमाचल राज्य मुक्त विद्यालय की परीक्षाओं के दौरान सामने आई अनियमितताओं और नकल के मामलों पर चर्चा की गई। बैठक में समन्वयकों, उप-अधीक्षकों और केंद्र अधीक्षकों ने भाग लिया। बोर्ड अध्यक्ष ने सभी परीक्षा केंद्रों में निर्धारित मानकों के अनुसार सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, उनके सुचारू संचालन और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षार्थियों की उचित जांच करने तथा नकल रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर भी जोर दिया।

Dainik Jagran Dt: 02/11/2026

परीक्षा केंद्रों में तैनात स्टाफ की जवाबदेही तय होगी : डा. शर्मा

- बोले, सीसीटीवी कैमरों की नियमित जांच हो, निगरानी में लापरवाही वर्दाश्त नहीं होगी
- परीक्षा केंद्रों के तैनात रहने वाले स्टाफ को सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : स्कूल शिक्षा बोर्ड के तहत संचालित परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों की प्रभावी निगरानी, परीक्षार्थियों की उचित जांच और स्टाफ की जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। यह निर्णय बोर्ड कार्यालय धर्मशाला में अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में लिए गए। बैठक में सितंबर, 2026 में आयोजित हिमाचल प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) की परीक्षाओं के दौरान सामने आई अनियमितताओं और अनुचित साधनों के प्रयोग के मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में समन्वयक, उप-अधीक्षक और केंद्र अधीक्षक भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर सामने आई खामियों और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपायों पर चर्चा की।



डा. राजेश शर्मा
● जागरण आर्काइव

बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने परीक्षा केंद्रों में निर्धारित मानकों के अनुरूप सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने और उनके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान सीसीटीवी कैमरों की नियमित जांच होनी चाहिए। निगरानी व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी बोर्ड के दिशा-निर्देशों का पालन करने मे लापरवाही न बरतें। उन्होंने परीक्षा केंद्रों के स्टाफ को सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि केवल नकल के मामले दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पहले से प्रभावी कदम उठाना भी जरूरी है। बोर्ड की प्राथमिकता परीक्षाओं का निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय संचालन है। इसके लिए बेहतर निगरानी, अधिकारियों के बीच समन्वय और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। परीक्षा व्यवस्था में सामने आई कमियों को दूर करने के लिए सुधारात्मक और निवारक कदम उठाए जाएंगे। परीक्षा प्रणाली को अधिक मजबूत बनाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है।

Himachal Dastak Dt. 02-11-2026

परीक्षा संचालन व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर जोर

हिमाचल दस्तक ▪ धर्मशाला

▪ बोर्ड अध्यक्ष की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षा संचालन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में बोर्ड कार्यालय में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सितंबर, 2026 में आयोजित हिमाचल प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) की परीक्षाओं के दौरान सामने आई अनियमितताओं एवं नकल के मामलों की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य में परीक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में समन्वयकों, उप-अधीक्षकों एवं केंद्र अधीक्षकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान परीक्षा केंद्रों में सामने आई अनियमितताओं, यूएमसी के मामलों तथा सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली एवं निगरानी व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया गया। डॉ. राजेश शर्मा ने परीक्षा केंद्रों में निर्धारित मानकों के अनुरूप सीसीसीटीवी कैमरों की उचित स्थापना, सुचारू कार्यप्रणाली एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों की उचित जांच तथा नकल की संभावनाओं को समाप्त करने के लिए आवश्यक निवारक कदम उठाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से भविष्य में ऐसी अनियमितताओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुधारात्मक एवं निवारक कदम उठाने का आह्वान किया।

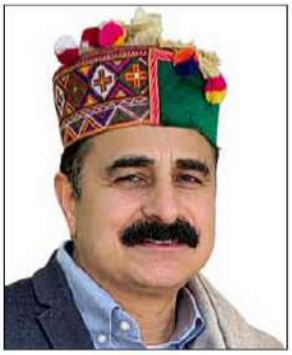
डिजिटल अख़बार
पहली नज़र
सबसे पहले, सबसे तेज
पहली नज़र
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज़ पेपर पहली नज़र के साथ
01 नवंबर, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com

परीक्षा संचालन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए बोर्ड अध्यक्ष ने बुलाई अहम समीक्षा बैठक

भविष्य की परीक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के पहलुओं पर हुई चर्चा

मोनिका शर्मा, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षा संचालन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में 27 अक्टूबर, 2026 को बोर्ड कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सितंबर, 2026 में आयोजित हिमाचल प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय (HPSOS) की परीक्षाओं के दौरान सामने आई अनियमितताओं एवं नकल के मामलों की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य में परीक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के विभिन्न पहलुओं पर



विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में समन्वयकों, उप-अधीक्षकों एवं केंद्र अधीक्षकों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान परीक्षा केंद्रों में सामने आई अनियमितताओं, अनुचित साधनों के प्रयोग (MC) के मामलों तथा सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली एवं निगरानी व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया गया। डॉ. राजेश शर्मा ने परीक्षा केंद्रों में निर्धारित मानकों के अनुरूप सीसीटीवी कैमरों की उचित स्थापना, सुचारू कार्यप्रणाली एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों की उचित जांच तथा नकल की संभावनाओं को समाप्त करने के लिए आवश्यक निवारक कदम उठाने के निर्देश भी दिए।

बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की कड़ाई से करें अनुपालना

बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि परीक्षा संचालन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए केवल अनुचित साधनों के प्रयोग के मामले दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी निवारक उपाय अपनाना भी आवश्यक है। उन्होंने परीक्षा स्टाफ को अपने दायित्वों का पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने तथा परीक्षा केंद्रों में अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए तथा निगरानी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। साथ ही, परीक्षा संचालन से जुड़े सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की कड़ाई से अनुपालना सुनिश्चित करें।

परीक्षाओं का संचालन निष्पक्ष व पारदर्शी सुनिश्चित करना है बोर्ड का लक्ष्य

डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की प्राथमिकता परीक्षाओं का संचालन निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय तरीके से सुनिश्चित करना है। इसके लिए परीक्षा केंद्रों में बेहतर निगरानी व्यवस्था, अधिकारियों के बीच प्रभावी समन्वय तथा जवाबदेही सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से भविष्य में ऐसी अनियमितताओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुधारात्मक एवं निवारक कदम उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा संचालन प्रणाली को निरंतर बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में सभी संबंधित अधिकारियों एवं परीक्षा केंद्र प्रभारियों की सक्रिय भागीदारी एवं सहयोग महत्वपूर्ण है।

दिव्य हिमाचल E-Paper
देवभूमि का सर्वाधिक लोकप्रिय मीडिया

दसवीं के विद्यार्थियों का इंतजार खत्म, स्कूलों में मिलेंगे सर्टिफिकेट

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-धर्मशाला

- शिक्षा बोर्ड ने सभी नियमित परीक्षार्थियों के मूल प्रमाणपत्र डाक से किए रवाना
- धर्मशाला के नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर

भविष्य की राह तलाश रहे हिमाचल प्रदेश के हजारों मैट्रिक पास विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। मार्च 2026 में दसवीं की नियमित रेगुलर परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों का अपने मूल प्रमाण-पत्र (ओरिजिनल सर्टिफिकेट) को लेकर चल रहा लंबा इंतजार अब खत्म हो गया है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी नियमित परीक्षार्थियों के सर्टिफिकेट तैयार कर सीधे उनके संबंधित स्कूलों को भेज दिए हैं। इस कदम से अब छात्रों और उनके अभिभावकों को प्रमाण-पत्र हासिल करने के लिए धर्मशाला स्थित बोर्ड कार्यालय की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि मार्च 2026 में आयोजित दसवीं की नियमित परीक्षा के मूल प्रमाण-पत्र बीती 27 अक्तूबर को पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रदेश भर के संबंधित विद्यालयों को प्रेषित कर दिए गए हैं। स्कूलों में डाक पहुंचते ही स्कूल प्रबंधन द्वारा इन्हें विद्यार्थियों को वितरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

Amar Ujala Dt. 01/11/2026

शिक्षा बोर्ड ने स्कूलों को भेजे 10वीं के मूल प्रमाणपत्र

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च 2026 में दसवीं की नियमित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के मूल प्रमाणपत्र संबंधित विद्यालयों को भेज दिए हैं। बोर्ड ने 27 अक्तूबर को डाक से स्कूलों को प्रमाणपत्र प्रेषित किए। ऐसे में विद्यार्थियों को मूल प्रमाण-पत्र लेने के लिए अब बोर्ड कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि मार्च 2026 में आयोजित मैट्रिक की नियमित परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के मूल प्रमाणपत्र तैयार कर संबंधित विद्यालयों को भेज दिए गए हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई और अन्य औपचारिकताओं में परेशानी न हो, इसके लिए बोर्ड ने प्रमाण-पत्र स्कूलों को भेजने की व्यवस्था की है। उन्होंने विद्यार्थियों और अभिभावकों से प्रमाण-पत्र प्राप्त के लिए स्कूल प्रशासन के संपर्क में रहने का आग्रह किया है। ब्यूरो

Dainik Jagran Dt. 01/11/2026

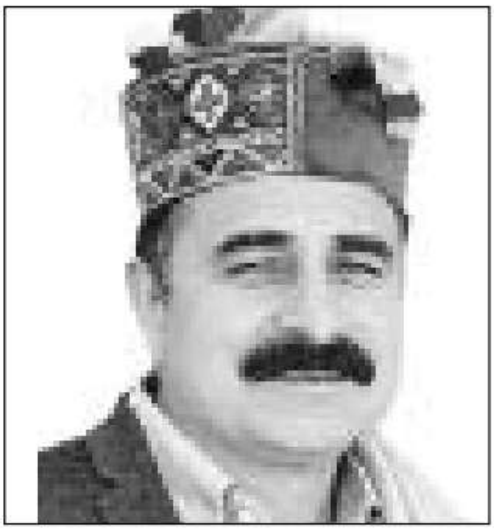
स्कूलों को भेजे 10वीं के नियमित विद्यार्थियों के मूल प्रमाणपत्र

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च 2026 में आयोजित दसवीं कक्षा की नियमित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के मूल प्रमाणपत्र स्कूलों को भेज दिए हैं। बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि 27 अक्टूबर को पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रदेशभर के संबंधित विद्यालयों को प्रेषित कर दिए हैं। स्कूलों में डाक पहुंचते ही प्रबंधन द्वारा इन्हें विद्यार्थियों को वितरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

डा. राजेश शर्मा ने कहा कि शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों को परीक्षा से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज तय समय पर उपलब्ध करवाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दसवीं का मूल प्रमाणपत्र विद्यार्थियों के लिए केवल एक अंकतालिका नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा में प्रवेश और भविष्य की तमाम शैक्षणिक व प्रतियोगी गतिविधियों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है। बोर्ड अध्यक्ष ने सभी संबंधित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे अपने मूल प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए अपने-अपने विद्यालय प्रशासन के साथ निरंतर संपर्क में रहें।

छात्रों का इंतजार खत्म : 10वीं के नियमित विद्यार्थियों के मूल प्रमाण-पत्र स्कूलों को रवाना



धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से मार्च 2026 में दसवीं कक्षा की नियमित (रेगुलर) परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले हजारों विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। बोर्ड प्रशासन ने मैट्रिक के इन सभी नियमित परीक्षार्थियों के मूल प्रमाण-पत्र (ओरिजिनल सर्टिफिकेट) तैयार कर संबंधित स्कूलों को भेज दिए हैं। अब विद्यार्थियों को अपने प्रमाण-पत्रों के लिए बोर्ड कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे, बल्कि उन्हें अपने ही स्कूल से ये महत्वपूर्ण दस्तावेज प्राप्त हो सकेंगे। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मार्च 2026 में आयोजित दसवीं की नियमित परीक्षा से जुड़े विद्यार्थियों के मूल प्रमाण-पत्र बीती 27 अक्तूबर, 2026 को पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रदेश भर के संबंधित विद्यालयों को प्रेषित कर दिए गए हैं। स्कूलों में डाक पहुंचते ही प्रबंधन द्वारा इन्हें विद्यार्थियों को वितरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों को परीक्षा से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज तय समय पर उपलब्ध करवाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दसवीं का मूल प्रमाण-पत्र विद्यार्थियों के लिए केवल एक अंकतालिका नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा में प्रवेश और भविष्य की तमाम शैक्षणिक व प्रतियोगी गतिविधियों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है। छात्रों को आगे की पढ़ाई या अन्य औपचारिकताओं में कोई बाधा न आए, इसी उद्देश्य से बोर्ड ने प्रमाण-पत्रों को सीधे विद्यालयों तक पहुंचाने की प्रक्रिया समय रहते पूरी कर ली है। बोर्ड अध्यक्ष ने सभी संबंधित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे अपने मूल प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए अपने-अपने विद्यालय प्रशासन के साथ निरंतर संपर्क में रहें।

Dainik Savera Dt. 01/11/2026

छात्रों का इंतजार खत्म: 10वीं के नियमित विद्यार्थियों के मूल प्रमाण-पत्र स्कूलों को रवाना

मैट्रिक परीक्षा मार्च 2026: शिक्षा बोर्ड ने 27 अक्तूबर को डाक से भेजे सर्टिफिकेट, जल्द छात्रों को होंगे वितरित

सवेरा न्यूज/ब्यूरो, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से मार्च 2026 में दसवीं कक्षा की नियमित (रेगुलर) परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले हजारों विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। बोर्ड प्रशासन ने मैट्रिक के इन सभी नियमित परीक्षार्थियों के मूल प्रमाण-पत्र (ओरिजिनल सर्टिफिकेट) तैयार कर संबंधित स्कूलों को भेज दिए हैं। अब विद्यार्थियों को अपने प्रमाण-पत्रों के लिए बोर्ड कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे, बल्कि उन्हें अपने ही स्कूल से ये महत्वपूर्ण दस्तावेज प्राप्त हो सकेंगे। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मार्च 2026 में आयोजित दसवीं की नियमित परीक्षा से जुड़े विद्यार्थियों के मूल प्रमाण-पत्र बीती 27 अक्तूबर, 2026 को पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रदेश भर के संबंधित विद्यालयों को प्रेषित कर दिए गए हैं। स्कूलों में डाक पहुंचते ही प्रबंधन द्वारा इन्हें विद्यार्थियों को वितरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों को परीक्षा से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज तय समय पर उपलब्ध करवाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

Dt. 01/11/26

10वीं के नियमित छात्रों के मूल प्रमाण पत्र स्कूलों को रवाना

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला । हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से मार्च 2026 में दसवीं कक्षा की नियमित (रेगुलर) परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले हजारों विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। बोर्ड प्रशासन ने मैट्रिक के इन सभी नियमित परीक्षार्थियों के मूल प्रमाण-पत्र (ओरिजिनल सर्टिफिकेट) तैयार कर संबंधित स्कूलों को भेज दिए हैं। अब विद्यार्थियों को अपने प्रमाण-पत्रों के लिए बोर्ड कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे, बल्कि उन्हें अपने ही स्कूल से ये महत्वपूर्ण दस्तावेज प्राप्त हो सकेंगे। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मार्च 2026 में आयोजित दसवीं की नियमित परीक्षा से जुड़े विद्यार्थियों के मूल प्रमाण-पत्र बीती 27 अक्तूबर, 2026 को पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रदेश भर के संबंधित विद्यालयों को प्रेषित कर दिए गए हैं। स्कूलों में डाक पहुंचते ही प्रबंधन द्वारा इन्हें विद्यार्थियों को वितरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा बोर्ड विद्यार्थियों को परीक्षा से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज तय समय पर उपलब्ध करवाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

Himachal Dastak Dt. 01/11/26

छात्रों के मूल प्रमाणपत्र भेजे

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च, 2026 की 10वी कक्षा की नियमित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के मूल प्रमाणपत्र संबंधित स्कूलों को भेज दिए हैं। बोर्ड ने 27 अक्तूबर को पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रमाणपत्र रवाना किए हैं। अब विद्यार्थियों को ये दस्तावेज अपने-अपने स्कूलों से मिलेंगे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि सभी संबंधित विद्यालयों को प्रमाणपत्र भेजने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। स्कूलों में डाक पहुंचने के बाद विद्यार्थियों को इन्हें वितरित किया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों और अभिभावकों से प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए संबंधित स्कूल प्रशासन के संपर्क में रहने की अपील की है।

NOVEMBER 01, SUNDAY HIMACHAL PRADESH

The Sunny Times

HP BOARD DISPATCHES CLASS 10 CERTIFICATES DIRECTLY TO SCHOOLS, ENDING STUDENT WAIT

The Sunny Times | Dharamshala |

Thousands of students across Himachal Pradesh who cleared their Class 10 matriculation exams can now breathe a sigh of relief. The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has officially dispatched original mark sheets and certificates for all regular candidates directly to their respective schools, saving teenagers and parents from making unnecessary trips to board offices.

According to HPBOSE Chairman Dr. Rajesh Sharma, the board sent out the official certificates via registered post on October 27, 2026. Schools across the state are scheduled to begin handing over the documents to students as soon as the postal parcels arrive on campus.

Dr. Sharma emphasized that the matriculation certificate is far more than a basic report card; it serves as a critical identification and eligibility record for higher education admissions, career pursuits, and competitive exams. To ensure that students face no hurdles in their future academic journeys, the board prioritized dispatching the paperwork promptly. Candidates and their parents are advised to keep in touch with their respective school administrations to collect their original certificates once distribution begins.

